7

संदर्भ स्रोत

7.1 परिचय

पाठ 5 एवं 6 के अंतर्गत आपने सूचना स्रोतों तथा सूचना विषय वस्तु एवं प्रारूप पर आधारित उनकी श्रेणियों के बारे में अध्ययन किया था। आपने सीखा कि सूचना स्रोतों को उनकी विषय वस्तुओं के आधार पर कुछ श्रेणियों में बांटा जा सकता है, जैसे, प्राथमिक, द्वितीयक एवं तृतीयक स्रोत। द्वितीयक स्रोतों को पुनः समूहों में बांटा जा सकता है, जैसे, अनुक्रमणिका, सर्वेक्षण, अनुवाद एवं संदर्भ स्रोत। आपने द्वितीयक स्रोतों के प्रथम तीन समूहों का विस्तारपूर्वक अध्ययन किया। इस पाठ में आप संदर्भ स्रोतों के विभिन्न प्रकारों एवं उनकी महत्ता का अध्ययन करेंगे।

7.2 उद्देश्य

इस पाठ के अध्ययन के पश्चात् आप सक्षम होंगे :

- संदर्भ स्रोतों को परिभाषित करने;
- संदर्भ स्रोतों की आवश्यकता के संबंध को समझने;
- अन्य सूचना स्रोतों से संदर्भ स्रोतों का भेद बताने;
- संदर्भ स्रोतों की विभिन्न श्रेणियों की गणना करने;
- शब्दकोश, पर्यायकोश, विश्वकोश, शब्दकोश (ईयर बुक), पंचांग, निर्देशिका तथा जीवनचरित सूचना स्रोतों को परिभाषित करने;
- भौगोलिक सूचना स्रोतों (मानचित्र, चार्ट, ग्लोब, भूचित्रावली एवं मार्ग दर्शिकाओं) का वर्णन करने; और
- ऑनलाइन उपलब्ध विभिन्न संदर्भ स्रोतों के इलेक्ट्रॉनिक संस्करण की पहचान करने में।

7.3 संदर्भ स्रोत/पुस्तकें

संदर्भ स्रोत संक्षिप्त तथ्यों, सांख्यिकीय सूचना, पृष्ठभूमि सूचना संबंधी प्रश्नों के उत्तर प्रदान कराते हैं अथवा अतिरिक्त सूचना स्रोत के निर्देश की ओर संकेत करते हैं। संदर्भ स्रोत मानक कृतियाँ हैं जो सूचना के विशिष्ट प्रकार को खोजने के लिए उपयोगी हैं। यद्यपि 'संदर्भ पुस्तक' शब्द का अधिकतर उपयोग करते हैं, तथापि संदर्भ स्रोत पुस्तकें, क्रमिक प्रकाशन, ऑनलाइन डाटाबेस या इंटरनेट भी हो सकते हैं। संदर्भ पुस्तकें केवल निर्देश देने या परामर्श करने के लिए उपयोग की जाती हैं तथा निरंतर अध्ययन के लिए नहीं है। उदाहरण के लिए, आप सामान्य शब्दकोश का उपयोग किसी शब्द के अर्थ को ढूंढने के लिए करते हैं, आप उसे पृष्ठ से पृष्ठ तक नहीं पढ़ सकते जैसे आप पाठ्यपुस्तक या कहानी की पुस्तक को पढ़ते हैं। संदर्भ स्रोतों में शब्दकोश, विश्वकोश, हस्तपुस्तिका, शब्दकोश (ईयर बुक), पंचांग, निर्देशिका, जीवनचरित तथा भौगोलिक स्रोत शामिल हैं। शब्दकोश तथा विश्वकोश के साथ आप अवश्य परिचित होंगे क्योंकि कक्षा नियत कार्यों के लिए या घर पर उनमें से किसी एक या दोनों का उपयोग आपने किया होगा।

आमतौर पर ग्रंथालयाध्यक्ष अपने संग्रह में उपलब्ध संदर्भ पुस्तकों के आधार पर ही संदर्भ सेवाएं प्रदान कराते हैं। उनका उपयोग मुख्य तौर पर ग्रंथालय उपयोक्ताओं को त्वरित संदर्भ सेवा प्रदान करने के लिए किया जाता है। अधिकतर ग्रंथालयों में, इन पुस्तकों का निर्गमन नहीं किया जाता है तथा इन्हें अलग संदर्भ संग्रह में रखते है। यह नियम संदर्भ स्रोतों को आसानी से उपलब्ध एवं सरलता से अभिगम योग्य बनाता है। अधिकतर संदर्भ पुस्तकें विशिष्ट रूप में इस प्रकार निर्मित होती हैं जो आवश्यक सूचना को शीघ्रता से तथा अधिक सुविधाजनक रूप में प्रदान कराती हैं। इस पाठ में विभिन्न संदर्भ स्रोतों की जानकारी दी गई है, यथा

- शब्दकोश
- विश्वकोश
- हस्तपुस्तिका
- अब्दकोश/वार्षिकी
- पंचांग
- जीवनचरित स्रोत, तथा
- भौगोलिक स्रोत

आइये शब्दकोश से प्रारंभ करते हैं।

7.4 शब्दकोश

अंग्रेजी भाषा का शब्द 'डिक्शनरी' मध्यकालीन लेटिन भाषा के डिक्शनेरियम शब्द (जिसका अर्थ शब्दों या वाक्यांशों का संग्रह है) से आया है, लेटिन शब्द डिक्शियो, जिस का अर्थ 'शब्द' होता है। सबसे पहले शब्दकोश की रचना प्राचीन ग्रीक तथा रोमन में हुई थी। परंतु अधिकतर ग्रीक तथा लेटिन शब्दकोश दुर्लभ एवं मुश्किल शब्दों की सूची या विशिष्ट शब्दों की सूची थी।

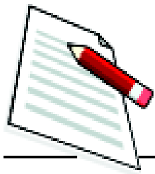

आधुनिक शब्दकोश एक ऐसी पुस्तक है जिसमें भाषागत शब्दों को उनके अर्थ के साथ वर्णानुक्रमानुसार संयोजित किया जाता है। अधिकतर शब्दकोश हमें शब्दों के अर्थ से कुछ अधिक बताते है। उच्चारणों, व्याकरणीय स्तरों, चित्रलेखीय, उद्धरण, पर्यायवाची, विलोम, प्रयोग टिप्पणी एवं अन्य सूचनाओं की कई सूचियां हैं। कुछ शब्दकोशों में प्रायः शब्दों की व्युत्पति व इतिहास, मूल या विकास की जानकारी प्रदान करते है।

- शब्दकोश का उदाहरण : द चैम्बर डिक्शनरी।

अन्य संदर्भ पुस्तक जिसमें शब्दों के संबंध में विवेचन होता है उसे पर्यायकोश कहते है। इस संदर्भ पुस्तक में, शब्द के समान या समानार्थ (पर्यायवाची एवं कभी-कभी विलोम शब्दों) के एकत्रित समूह होते हैं। जो शब्दकोश की तुलना में, शब्दों के अर्थ एवं उच्चारणों को ढूंढने में सहायता करते हैं। पर्यायकोश विचारों को व्यक्त करने के लिए अधिक उचित शब्द एवं अन्य संबंधित शब्दों को भी ढूंढने में सहायता करते हैं।

पर्यायकोश का उदाहरण : द मेरिएम वेबस्टर्स थिसारस

7.4.1 शब्दकोशों के प्रकार

शब्दकोश कई प्रकार से शब्दों के अर्थ की जानकारी देते हैं। शब्दकोशों में दैनिक जीवन के सामान्य शब्दों, तकनीकी शब्दों, अध्ययनशील लेखन में शब्दों का प्रयोग, मुहावरे, अन्य भाषाओं के शब्दों व वाक्यांशों, वैज्ञानिक व तकनीकी खोजों से नये शब्दों का अविर्भाव, महत्वपूर्ण उपयुक्त नाम एवं भौगोलिक नाम आदि शामिल होते हैं। वास्तव में शब्दकोश भाषा के सभी शब्दों को व्यक्त नहीं कर सकता क्योंकि भाषा स्थिर नहीं है, प्रतिदिन बोलने, लिखने के साथ ही विभिन्न विशेष शिक्षा शाखाओं में हो रहे अनुसंधानों के कारण नये शब्द बन रहे हैं।

शब्दों की संख्या, विषय सीमा व सूचना की अन्य मदों की जानकारी की गुणवत्ता के आधार पर शब्दकोशों को निम्नलिखित समूहों में वर्गीकृत किया जा सकता है–

- सामान्य भाषागत शब्दकोश
- विषयगत शब्दकोश
- विशेष उद्देश्य वाले शब्दकोश; तथा
- द्विभाषीय एवं बहुभाषीय शब्दकोश

(क) सामान्य भाषागत शब्दकोश

सामान्य भाषागत शब्दकोश भाषा के सभी शब्दों के अर्थ, परिभाषा व समान भाषा में शब्दों की व्याख्या देते हैं। भाषा अंग्रेजी, फ्रेंच, हिंदी, जर्मन या रूसी हो सकती है। उदाहरण के लिए, अंग्रेजी भाषागत शब्दकोश में अंग्रेजी शब्दों का समावेश है एवं उनके अर्थ अंग्रेजी भाषा में दिए गए हैं। इन शब्दकोशों को एकलभाषीय शब्दकोश भी कहते है।

सामान्य भाषागत शब्दकोशों को आकार व लक्षित पाठक के अनुसार पुन: समूहों में विभाजित किया जा सकता है। आकार के अनुसार, सामान्य भाषागत शब्दकोश हो सकते हैं–

(i) विस्तृत/वृहद्

(ii) संक्षिप्त/महाविद्यालय/डेस्क, अथवा

(iii) पॉकेट शब्दकोश

(i) **विस्तृत/वृहद् शब्दकोश :** इसमें भाषा के सभी शब्द रहते हैं साथ ही वर्तमान में प्रचलित शब्द शामिल होते हैं। उदाहरण के लिए, **मेरिएम वेबस्ट्र्स थर्ड न्यू इंटरनेशनल डिक्शनरी ऑफ इंगलिश लैङ्वेज** 3 खंडों में है तथा इसमें 450,000 से अधिक प्रविष्टियां है। इस शब्दकोश का **ऑनलाइन संस्करण मेरिएम वेबस्टर अनअब्रिजड-ऑनलाइन** डिक्शनरी है।

(ii) **संक्षिप्त/महाविद्यालय/डेस्क शब्दकोश :** इसमें अधिकतर सामान्य एवं वर्तमान समय में इस्तेमाल शब्द शामिल है तथा इसमें वृहद् शब्दकोश की अपेक्षा कम संख्या में शब्द रहते हैं। उदाहरण के लिए, **मेरिएम-वेबस्ट्र्स कॉलिजियेट डिक्शनरी,** 11वॉं संस्करण, 2003 में प्रकाशित, 165,000 प्रविष्टियां हैं।

(iii) **पॉकेट शब्दकोश :** यह शब्दकोश काफी लघु होता है जिसे त्वरित संदर्भ के लिए जेब में लेकर जा सकते है। शब्दकोश में 40,000 से 60,000 शब्दों की प्रविष्टियां शामिल होती हैं जो वर्तमान समय में प्रयुक्त होती हैं। उदाहरण के लिए, **मेरिएम वेबस्टर्स पॉकेट डिक्शनरी** में 40,000 प्रविष्टियां हैं।

चित्र 7.1

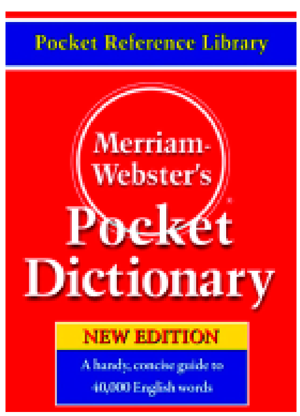

चित्र 7.2

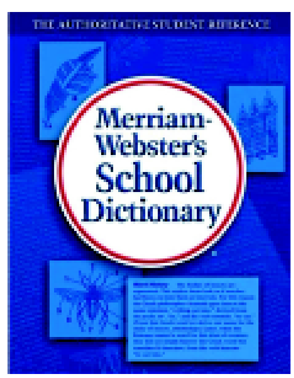

चित्र 7.3

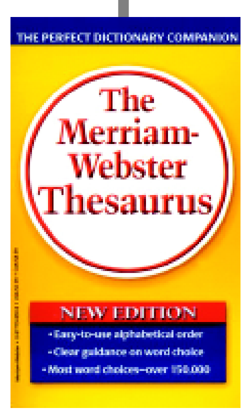

चित्र 7.4

शब्दकोशों के विभिन्न प्रकार के आवरण चित्र

पाठकों की आयु व भाषा दक्षता के आधार पर सामान्य भाषागत शब्दकोश निम्न के लिए हो सकते हैं–

(i) विद्यालयी छात्र (किंडरगार्टन से लेकर हाई स्कूल तक)।

(ii) महाविद्यालय छात्र, तथा

(iii) वयस्क

बाल शब्दकोश में पाठ्यक्रम से संबंधित शब्दों का समावेश होता है। अर्थ व परिभाषाएं आसान भाषा में लिखी हुई होती है जिसे बच्चे समझ सकते हैं। बाल शब्दकोशों में अधिक व्याख्याओं को शामिल किया जाता है जो बच्चों को शब्द की अवधारणा समझने लायक बनाते हैं।

मेरिएम वेबस्टर्स स्कूल डिक्शनरी में 100,000 शब्दों से अधिक, लगभग 1,000 चित्रलेख तथा 1500 प्रयोगिक उदाहरण शामिल हैं।

बृहद् मानक सामान्य भाषागत शब्दकोशों के अधिकतर प्रतिष्ठित प्रकाशक उन शब्दकोशों के संक्षिप्त, डेस्क, महाविद्यालयी तथा बाल संस्करण प्रकाशित कर रहे हैं। इन शब्दकोशों के प्रकाशक निरंतर संशोधन करने की कोशिश में लगे हुए हैं। प्रत्येक नये मुद्रण के साथ वे शब्दों की संख्या में वृद्धि या कमी कर देते हैं। डेस्क शब्दकोश के लिए यह विशेषतौर पर सही है, जिनका प्रयोग युवाओं द्वारा किया जाता है और इनमें आकाशवाणी, दूरदर्शन, संगठित, और औद्योगिकी इत्यादि के माध्यम से व्युत्पन्न नये शब्दों को अवश्य ही प्रतिबिंबित किया जाना चाहिये।

(ख) विषयगत शब्दकोश

विषयगत शब्दकोश विषय विशेष में पदों की परिभाषा पर केन्द्रित हैं। विषयगत शब्दकोश विभिन्न विषय क्षेत्रों में कला, मानविकी, सामाजिक विज्ञान से लेकर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तक अध्ययन एवं अनुसंधान के गतिशील होने के कारण शीघ्रता से बन रहे हैं। उदाहरण के लिए, **मैकग्रॉहिल डिक्शनरी ऑफ सांइटिफिक एंड टेक्निकल टर्म्स,** 6वां संस्करण, वैज्ञानिक व प्रौद्योगिकी शब्दों का व्यापक शब्दकोश है जिसमें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के 104 क्षेत्रों के 115,000 से अधिक पद एवं 125,000 परिभाषाएं सम्मिलित हैं।

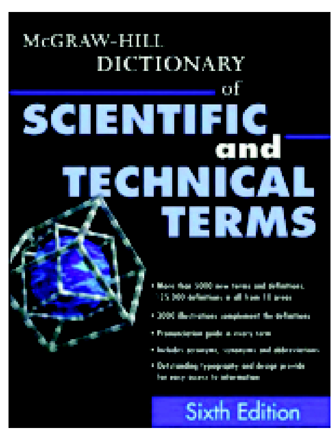

चित्र 7.5

(ग) विशिष्ट शब्दकोश

विशिष्ट शब्दकोश शब्दों के विशेष प्रकार या विशेष पक्षों के साथ संबंध रखते हैं। शब्दों के विशेष प्रकार या वर्ग में अप्रचलित शब्द, अद्याक्षर शब्द, संकेताक्षर आदि शामिल हैं। शब्द के विशेष पक्ष में शब्दों के भाषा-वैज्ञानिक पक्ष (जैसे उच्चारण, पर्यायवाची एवं विलोम आदि); या शब्दों के साहित्यिक पक्ष (जैसे उद्धरण मुहावरे एवं लोकोक्तियां आदि। यद्यपि शब्दों के ज्यादातर यह पक्ष सामान्य भाषागत शब्दकोशों में भी शामिल हैं, परन्तु विषय शब्दकोश में इन पहलुओं को अत्यधिक विस्तारपूर्वक शामिल किया जाता है। विशिष्ट शब्दकोश सामान्य भाषागत शब्दकोशों के पूरक हैं। विशिष्ट शब्दकोशों के उदाहरण निम्न हैं :

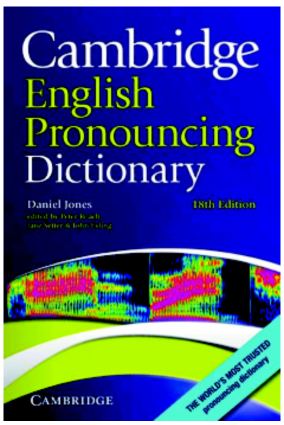

चित्र 7.6

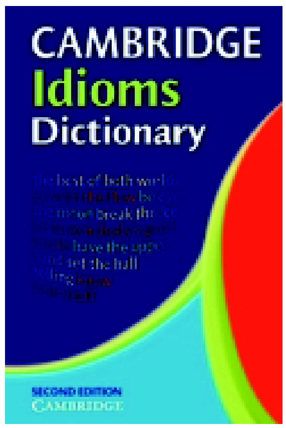

चित्र 7.7

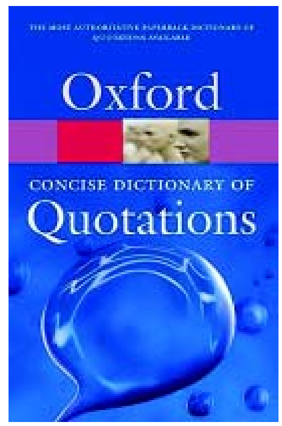

चित्र 7.8

कैम्ब्रिज इंगलिश प्रोनाउसिंग डिक्शनरी– इन शब्दकोशों में प्रत्येक शब्द के लिए बोलचाल ब्रिटिश व अमेरिकन उच्चारण होता है। कैम्ब्रिज शब्दकोश, मोबाइल फोनों के लिए भी उपलब्ध है। (चित्र 7.6)

कैमब्रिज इडिअम्स डिक्शनरी–इस शब्दकोश में ब्रिटिश, अमेरिकन एवं ऑस्ट्रेलियन अंग्रेजी में 7000 से अधिक मुहावरों का अर्थ एवं इनके उपयोग का वर्णन है। (चित्र 7.7)

द ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी ऑफ कोटेश्नस–शब्दकोश लघु उद्धरणों की सूची है जोकि अंग्रेजी भाषा एवं संस्कृति में सामान्यत: प्रयोग में लाए जाते हैं। (चित्र 7.8)

(घ) द्विभाषीय एवं बहुभाषीय शब्दकोश

द्विभाषीय शब्दकोश एक भाषा के शब्दों का शब्दार्थ, अन्य दूसरी भाषा में प्रस्तुत करते हैं। उदाहरण के लिए, इंगलिश-हिंदी डिक्शनरी, अंग्रेजी में शब्दों की सूची होगी एवं हिंदी में समकक्ष शब्द दिए गए है। इस तरह के शब्दकोश को द्विभाषीय शब्दकोश कहते हैं बहुभाषीय शब्दकोशों में दो भाषाओं से अधिक भाषाओं में शब्द के अर्थ दिये गए है। इन शब्दकोशों को अनुवादीय शब्दकोश भी कहा जाता है। इन शब्दकोशों में शब्द को सामान्य तौर पर परिभाषित नहीं किया गया है, परंतु एक भाषा से अन्य दूसरी भाषा के शब्दों का अनुवाद है। इनमें से अधिकांश विषय-क्षेत्रों, जैसे ज्योतिष, जीव विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक आदि की विषय सीमा तक सीमित हैं।

ऑक्सफोर्ड यूनीर्वसिटी प्रेस ने कई द्विभाषीय एवं बहुभाषीय शब्दकोशों को प्रकाशित किया है।

चित्र 7.9

चित्र 7.10

द्विभाषीय एवं बहुभाषीय शब्दकोशों के उदाहरण :

कन्साइज ऑक्सफोर्ड स्पेनिश डिक्शनरी, चौथा संस्करण, 2009 में प्रकाशित, बृहद् अंग्रेज़ी-स्पेनिश तथा स्पेनिश-अंग्रेजी डिक्शनरी इसमें 175,000 शब्द एवं वाक्यांश तथा 200,000 से अधिक अनुवाद है। शब्दकोश ऑनलाइन संस्करण में भी उपलब्ध है। (http://www.onp.com)

मल्टीलिंगुअल बायोमेडिकल टेक्निकल डिक्शनरी : (अंग्रेजी, स्पेनिश, पुर्तगाली, फ्रेंच, जर्मन, स्वीडन व डच में)। इस शब्दकोश में 40,000 से अधिक प्रविष्टियाँ के साथ 40,000 पर्यायवाची शब्दों के बारे में तथा सात भाषाओं में इनका विस्तृत वर्णन है।

शब्दकोश-इंगलिश हिंदी डिक्शेनरी (http://www.shabdkosh.com) यह साइट अंग्रेजी से हिंदी के साथ ही हिंदी से अंग्रेजी अनुवाद भी प्रदान कराता है। (चित्र 7.10)

कई साइट्स वेब पर निशुल्क अनुवाद की सुविधा देती हैं। इनमें से कुछ साइंट्स के नाम निम्नलिखित हैं:–

(http://www.freetranslation.com)

(http://www.babylon.com)

पाठगत प्रश्न 7.1

1. संदर्भ स्रोत क्या हैं?
2. सामान्य भाषागत शब्दकोश क्या है? इनकी श्रेणियों का सोदाहरण वर्णन कीजिए।
3. सामान्य शब्दकोश से विशिष्ट शब्दकोश में भिन्नता बताने वाले मानकों के नाम बताइये।

7.5 विश्वकोश

यह एक पुस्तक या पुस्तकों का समुच्चय है जिसमें ज्ञान की समस्त शाखाओं पर या कुछेक व्यापक क्षेत्रों के साथ सूचनात्मक लेखों को वर्णानुक्रमिक रूप में व्यवस्थित किया जाता है। विश्वकोश में लोगों, स्थानों, घटनाओं तथा वस्तुओं के बारे में सूचना रहती है। यह ज्ञान के सभी क्षेत्रों के साथ संबंधित हो सकते हैं या यह किसी एक विषय क्षेत्र तक सीमित हो सकता है। सामान्य विश्वकोश में ज्ञान के प्रत्येक क्षेत्र में विषयों पर सूचना शामिल होती है। विशिष्ट विश्वकोश ज्ञान के किसी विशिष्ट क्षेत्र पर ज्यादा विस्तारपूर्वक एवं तकनीकी सूचना प्रदान करते हैं। उदाहरण के लिए, कला, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी या सामाजिक विज्ञान। विशिष्ट विश्वकोश को विषय विश्वकोश के नाम से भी जाना जाता है।

एक भलीभांति व्यवस्थित सामान्य विश्वकोश मानव जाति, मानवीय आस्थाओं, विचारों एवं उपलब्धियों के बारे में; विश्व में रहने वाले लोगों के बारे में तथा ब्रह्मांड के बारे में तथ्यों को प्रस्तुत करता है। इन तथ्यों को प्रस्तुत करने के लिए ऐसी भाषा का प्रयोग किया जाता है जो समझने में आसान हो।

एक विश्वकोश, वस्तुओं के कौन, क्या, कहां, कब, कैसे तथा कारक संबंधों को समझाता है। सामान्य विश्वकोश सामान्य ज्ञान में संवृद्धि, ज्ञात प्रकरणों पर सूचना प्रदान कराने एवं लेखों के अंत में ग्रंथसूची प्रदान कराते हैं जिससे प्रकरण पर ज्यादा सूचना ढूंढ़ने में सहायता मिलती है। उदाहरण के लिए, 'कंप्यूटर' पर लेख यह बताता है कि कंप्यूटर क्या है साथ ही इसे किसने, कब एवं कहां विकसित किया है। कंप्यूटर कैसे कार्य करता है तथा लोगों के लिए यह क्यों महत्त्वपूर्ण है।

विश्वकोश में विभिन्न आलेखों का आकार एक अनुच्छेद से लेकर, सौ से अधिक पृष्ठों तक का हो सकता है, जोकि प्रकरणों की प्रकृति; श्रोतागण के लक्ष्यों एवं विश्वकोश के प्रकार (एकखंडीय या बहुखंडीय विश्वकोश) पर आधारित होते है। मानक विश्वकोश में आलेख विषय विशेषज्ञों द्वारा लिखे होते हैं तथा बाद में विश्वकोश संपादकों द्वारा विषयों के पदों, शैली एवं विराम चिन्हों में विश्वकोश की नीतियों के अनुरूप इनका सम्पादन किया जाता है। संपादकीय विभाग विश्वकोश में प्रत्येक आलेख लिखने की समान शैली, शीर्षकों एवं उपशीर्षकों को सुनिश्चित करता है। चित्र व आरेख आवश्यकतानुसार अवधाराणों को स्पष्ट करने तथा सीखने की प्रक्रिया को बढ़ावा देने के लिए शामिल किये जाते हैं। अधिकतर विश्वकोश वर्णक्रमानुसार (A से Z) व्यवस्थित होते हैं। कुछ विश्वकोशों को विषयानुसार व्यवस्थापित किया जाता है जैसे एकखंड को 'जानवर', दूसरे को पौधे, पृथ्वी तथा ब्रह्मांड या कुछ अन्य विषयों के लिए समर्पित किया जा सकता है।

7.5.1 विश्वकोशों के प्रकार

विश्वकोशों को मुख्यतया दो प्रकारों में विभक्त कर सकते हैं :–

- सामान्य विश्वकोश; एवं
- विषय विश्वकोश

(i) **सामान्य विश्वकोश :** ज्ञान के सभी क्षेत्रों से संबंधित है। उदाहरण के लिए इन्साइक्लोपीडिया ब्रिटेनिका।

(ii) **विषयगत विश्वकोश :** एक विषय या विषयों के समूह से संबंधित जानकारी देते हैं जैसे **इन्साइक्लोपीडिया ऑफ फ़िज़िक्स इन्साइक्लोपीडिया ऑफ साइंस एंड** टेक्नोलौजी।

(क) सामान्य विश्वकोश को पुनः दो श्रेणियों में विभक्त कर सकते हैं :

(i) आकार (एकखंडीय-सेट या बहुखंडीय-सेट), तथा

(ii) लक्षित पाठक (वयस्क, छात्र या बच्चों के लिए)

सामान्य विश्वकोशों के अधिकतर प्रकाशक वयस्कों, छात्रों तथा विभिन्न आयु वर्ग के बच्चों के लिए विश्वकोश के विभिन्न समुच्चय (सेट) ला रहे है। बाल विश्वकोश में लेख सरल भाषा में लिखे जाते हैं तथा प्रकरणों को स्पष्ट एवं समझने लायक बनाने के लिए रेखा चित्र भी शामिल किये जाते हैं।

विश्वकोश के उदाहरण :

इन्साइक्लोपीडिया ब्रिटेनिका अंग्रेजी भाषा का एक सामान्य विश्वकोश है, इन्साक्लोपीडिया ब्रिटेनिका इंक द्वारा प्रकाशित है। इसमें 73,645 लेख शामिल हैं। लेखों का मुख्य उद्देश्य वयस्कों को शिक्षित करना है तथा 100 से अधिक पूर्णकालिक संपादकों तथा 4000 से अधिक विशेषज्ञों ने इसमें योगदान दिया है। यह अधिक प्रमाणिक एवं सुविज्ञ विश्वकोश समझा जाता है। विश्वकोश का 2010 संस्करण निम्न 32 खंडों में मुद्रित है :

- 12 खंड माइक्रोपीडिया त्वरित संदर्भ के लिए, लघु लेखों सहित (सामान्य तौर पर 750 शब्दों से कम)
- 17 खंड माइक्रोपीडिया प्रकरणों के गहन अध्ययन के लिए बड़े लेख (दो से 300 पृष्ठ तक)

- पहला खंड एक खंडीय प्रोपीडिया में ज्ञान की रूपरेखा प्रस्तुत की गई है, तथा
- दूसरा खंड अनुक्रमणिका है।

चित्र 7.11

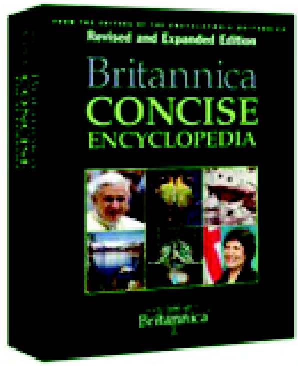

चित्र 7.12

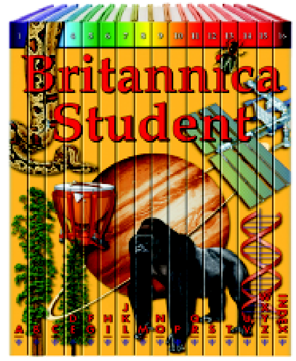

चित्र 7.13

इन्साइक्लोपीडिया ब्रिटेनिका के चित्र

इन्साइक्लोपीडिया ब्रिटेनिका 32 खंडों का समुच्चय। (चित्र 7.11)

सिङ्गल वॉल्यूम ब्रिटेनिका कन्साइज इन्साइक्लोपीडिया में 28000 लघु लेख हैं जोकि 32 खंडों वाले ब्रिटेनिका का संक्षिप्त रूप है। (चित्र 7.12)

ब्रिटेनिका स्टूडेंट इन्साइक्लोपीडिया : ब्रिटेनिका स्टूडेंट इन्साइक्लोपीडिया 16 खंडों में प्रकाशित है जिसमें 2300 से अधिक लेखों के साथ 3300 चित्र, रेखाचित्र, चार्ट्स एवं सारणियां हैं जो इसे छात्रों के लिए रुचिकर एवं उपयोगी बनाती हैं। विश्वकोश में विश्व के विभिन्न देशों के 1000 मानचित्र एवं झण्डे हैं। (चित्र 7.13)

वर्तमान उन्नत सूचना प्रौद्योगिकी में प्रगति एवं इलेक्ट्रॉनिक विश्वकोश जैसे माइक्रोसॉफ्ट एनकार्टा तथा विकीपीडिया ने मुद्रित विश्वकोश की मांग को कम कर दिया है। इन्साइक्लोपीडिया ब्रिटेनिका के प्रकाशक ने सीडी रोम, डीवीडी तथा वर्ल्ड वाइड वेब पर विश्वकोश के इलेक्ट्रॉनिक संस्करण विकसित कर लिये है।

इन्साइक्लोपीडिया ब्रिटेनिका ऑनलाइन : 32 खंडीय ब्रिटेनिका विश्वकोश में पाठ्य के अतिरिक्त कई लेख एवं चित्र शामिल होते हैं जो मुद्रित संस्करण में उपलब्ध नहीं हैं। इसमें 1,20,000 से अधिक लेख हैं। यह साइट प्राकृतिक भाषा में खोजने तथा ए से ज़ेड तक अवलोकन की सुविधा प्रदान करती है। सामयिक सूचना प्रदान करने के लिए इसको अधिकतर निरंतर अद्यतन बनाए रखते हैं। इसमें दि न्यूयार्क टाइम्स तथा बीबीसी से समाचार प्रतिवेदनों, दैनिक फीचर, के लिए लिंक्स हैं। शुल्क वार्षिक, मासिक या साप्ताहिक आधार पर देय है। विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा ग्रंथालयों को विशेष शुल्क योजनाएँ प्रस्तुत की जाती हैं। (http://www.britannica.com)

(ख) विषयगत विश्वकोश

विषयगत विश्वकोश ज्ञान के विशिष्ट क्षेत्र में विस्तारपूर्ण सूचना प्रदान करते है जैसे कलाएँ एवं मानविकी, विज्ञान व प्रौद्योगिकी, सामाजिक विज्ञान इत्यादि। विषयगत विश्वकोश हजारों हैं जो विस्तृत विषय क्षेत्र से लेकर संकीर्ण विषय क्षेत्र तक सीमित हैं। बहुखंडीय और एकखंडीय विषयगत विश्वकोश उपलब्ध हैं। कुछ विषयगत विश्वकोश विषय विशेषज्ञों के लिए बने है तथा कुछ उस विषय में इच्छुक छात्रों और सामान्य पाठकों के लिए हैं।

विषयगत विश्वकोश के उदाहरण :

मैकग्रॉ-हिल्स इन्साइक्लोपीडिया ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 10वां संस्करण, अंग्रेजी भाषा में प्रकाशित है, 20 खंडीय, विशेषतौर पर वैज्ञानिक एवं तकनीकी विषयों पर केंद्रित विश्वकोश है। विश्वकोश में जीव विज्ञान, शारीरिक विज्ञान के साथ ही इंजीनियरिंग व प्रौद्योगिकी पर प्रकरण सम्मिलित हैं।

मैकग्रॉ-हिल्स वेबसाइट 'ऐक्सस साइंस'–यह विश्वकोश ऑनलाइन अभिगम प्रदान कराता है।

मैकग्रा हिल कन्साइज इन्साइक्लोपीडिया ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी यह वृहद् खंड समूह पर आधारित एकखंडीय प्रकाशन है। 6ठा संस्करण 2009 में प्रकाशित नवनीतम संस्करण है। (http://www.mhprofesstional.com)

इन्साइक्लोपीडिया ऑफ लाइब्रेरी एंड इनफॉरमेशन साइंस : यह विश्वकोश ऐलेन केण्ट द्वारा संपादित है तथा मारसेल डेक्कर द्वारा प्रकाशित है, 35 खंडों का समुच्चय है (33 खंड मुख्य विश्वकोश तथा 2 खंड अनुक्रमणिका) ग्रंथालयाध्यक्षों, सूचना/कंप्यूटर वैज्ञानिकों व ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान के छात्रों, पुस्कालय व सूचना विज्ञान के साधनों तथा विधियों, दोनों को सुविधापूर्वक अभिगम प्रदान कराते हैं। इसमें 1300 से अधिक विषय विशेषज्ञों द्वारा लिखित लेख हैं। प्रकाशक नियमित रूप से पूरक अंकों को ला रहे हैं (प्रत्येक पूरक में ए-ज़ेड तक प्रविष्टियां सम्मिलित हैं)। पूरक नयी प्रवृत्तियों के मुख्यांश, नवीनतम उपलब्धियों का वर्णन तथा उन लोगों के बारे में सूचना प्रदान कराते हैं, जिन्होंने तीव्रता से बढ़ते इस क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है। अब तक 36 पूरक खंड प्रकाशित हो चुके हैं (खंड 36 से खंड 72 तक)।

पाठगत प्रश्न 7.2

1. सामान्य विश्वकोश को परिभाषित कीजिए। सामान्य विश्वकोश किस उद्देश्य की पूर्ति करता है?
2. सामान्य विश्वकोश को आप श्रेणियों में कैसे विभक्त करेंगे?
3. सामान्य तथा विषयगत विश्वकोश में अंतर बताइये।

7.6 वार्षिकी

वार्षिकी, जैसाकि नाम संकेत करता है, सूचना की एक पुस्तक है जो गत वर्ष की अद्यतन सूचनाओं को प्रत्येक वर्ष प्रकाशित करती है। वार्षिकी का मूल उद्देश्य है देश या विश्व में पिछले वर्ष में घटित घटनाओं व विकासों को प्रलेखबद्ध करना। विषय सीमा एवं सूचना के प्रकार के आधार पर वार्षिकी को इस प्रकार वर्गीकृत कर सकते है :–

- अंतर्राष्ट्रीय वार्षिकी (इयर बुक)
- राष्ट्रीय वार्षिकी (इयर बुक)
- विषयगत वार्षिकी (इयर बुक)

7.6.1 अंतर्राष्ट्रीय वार्षिकी

विश्व के प्रत्येक देश के बारे में विश्वसनीय एवं सुविधाजनक सांख्यिकीय सूचना उपलब्ध कराते है। उदाहरण के लिए, **द स्टेट्समैन्स इयरबुक 2012, मैकमिलन द्वारा प्रकाशित है,** जो विश्व के प्रत्येक देश (193 देशों) की राजनीतिक, अर्थव्यवस्था तथा सामाजिक लेखा-जोखा के तथ्यों सहित इनका विश्लेषण प्रदान कराता है। वार्षिकी दो भागों में उपलब्ध है।

प्रथम भाग में अंतर्राष्ट्रीय संगठनों तथा द्वितीय भाग में विश्व के देशों का विवरण वर्णक्रमानुसार व्यवस्थित है। (चित्र 7.14) (http://www.us.mcmillan.com)

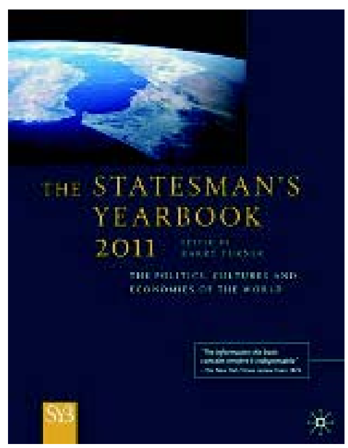

चित्र 7.14

7.6.2 राष्ट्रीय वार्षिकी

किसी एक देश की अद्यतन राजनीतिक, अर्थव्यवस्था व सामाजिक लेखा-जोखा संबंधी विवरण प्रदान कराती है। राष्ट्रीय वार्षिकी ज्यादातर उस देश की अपनी सरकार द्वारा संकलित होती हैं तथा विश्वसनीय एवं प्रमाणिक मानी जाती है। उदाहरण के लिए, इंडिया **: ए रिफ्रेन्स ऐनुअल,** 56th संस्करण, प्रकाशन विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रकाशित एक राष्ट्रीय

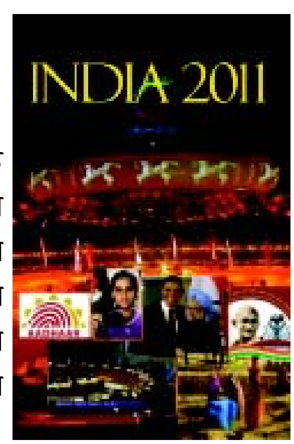

चित्र 7.15

वार्षिकी है। वार्षिकी भारत से संबंधित विभिन्न विषयों पर सूचना उपलब्ध करवाती है, जैसे–अर्थव्यवस्था, ग्रामीण व शहरी विकास, उद्योग व आधारभूत (इन्फ्रास्ट्रक्चर) संरचना, कला व संस्कृति, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, रक्षा, जनसंचार आदि। (http://www.publicationsdivistion.nic.in)

7.6.3 विषयगत वार्षिकी

जो वार्षिकी किसी विशिष्ट विषय या विषयों के समूह को समर्पित है, उन्हें विषयगत वार्षिकी कहते है। मैक ग्रा हिल इयरबुक ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी-2013 एक विषयगत वार्षिकी है। (चित्र 7.16)

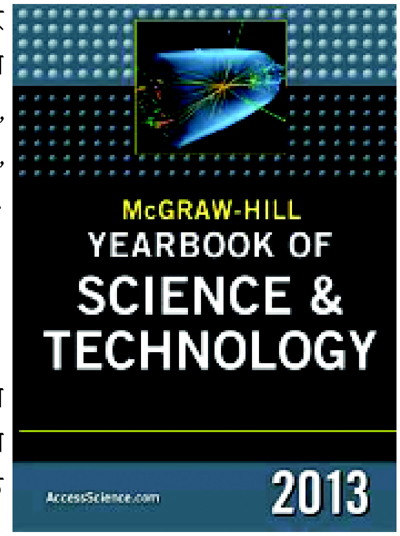

चित्र 7.16

7.7 पंचांग

पंचांग संदर्भ पुस्तकें हैं आमतौर पर वर्ष में एक बार प्रकाशित होती है

तथा इनमें कई प्रकार की सूचनाएं शामिल होती हैं। पंचांग मूल रूप से महीनों के कैलेंडर हैं। ये ग्रहणों, ग्रहों की गति तथा सूरज, चांद एवं तारों के उदय एवं अस्त होने से परिचित करवाती हैं।

वर्तमान समय में पंचांग में संपूर्ण विश्व के सांख्यिकीय व वर्णनात्मक आंकड़ों को विस्तारपूर्ण संग्रह के रूप में प्रदर्शित करना शामिल है। मुख्यतया शामिल विषयों में भूगोल, सरकार, जनसंख्या के आंकड़े, कृषि, अर्थव्यवस्था व व्यापार, स्वास्थ्य व चिकित्सा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, यातायात, खेल, पुरस्कार एवं ईनाम की सूचना उपलब्ध होती है। आजकल पंचांग अधिकतर वार्षिकी की तरह ही हैं। दोनों सांख्यिकीय आंकड़ों के लिए शासकीय स्रोतों पर ही आधारित है। अंतर केवल यह है कि पंचांग खगोलीय आंकड़ों को प्रदर्शित करते हैं, जोकि वार्षिकी में नहीं होते।

पंचांग के उदाहरण :

वर्ल्ड अलमॅनक एंड बुक ऑफ फैक्ट्स 2012, बार्न्स एंड नोबल द्वारा यू.एस.ए. में वार्षिक रूप से प्रकाशित होती है। (चित्र 7.17)

ह्विटेकर्स अलमॅनक 2012, ए एंड सी ब्लैक पब्लिशर्स द्वारा यू.के. में वार्षिक रूप से प्रकाशित होती है।

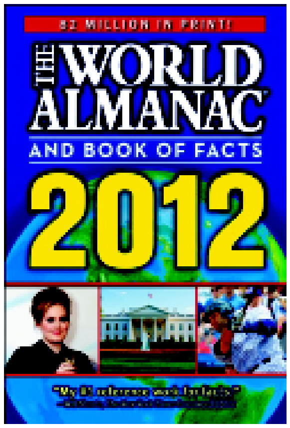

चित्र 7.17

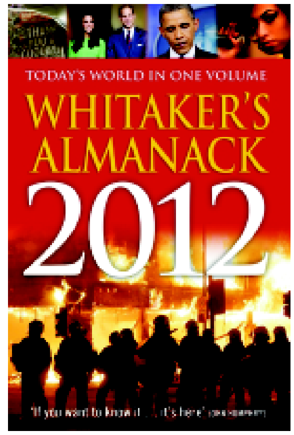

चित्र 7.18

पंचांग के आवरण चित्र

पाठगत प्रश्न 7.3

1. वार्षिकी को परिभाषित कीजिए तथा उसके प्रकारों की सूची बनाइये।
2. पंचांग क्या है? पंचांग व वार्षिकी के बीच अंतर बताइये।

7.8 हस्तपुस्तिका

'हैंडबुक' शब्द की उत्पत्ति जर्मन भाषा के शब्द 'हैण्डबक' से हुई है जिसका अर्थ है ऐसी लघु पुस्तक जिसमें उपयोगी तथ्य होते हैं। हस्तपुस्तिका शब्द का मूल अर्थ एक पुस्तक है जो प्रयोग में सुविधाजनक है क्योंकि इसमें उपयोगी तथ्य होते हैं तथा इसे सुविधानुसार ले जाया जा सकता है। परिभाषा में कह सकते हैं कि हस्तपुस्तिका एक संक्षिप्त संदर्भ ग्रंथ है जो विशिष्ट सूचना या प्रकरणों या विषय के बारे में निर्देश प्रदान करती है। **विषयगत हस्तपुस्तिका** मूल रूप से विषय पर संक्षिप्त तथ्यों की सूचना प्रदान करती है। उनका निर्माण आसानी से जानकारी मांगने व शीघ्र उत्तर प्रदान करने के लिए किया जाता है। उद्योग या प्रयोगशाला में कार्यरत विशेषज्ञों द्वारा हस्तपुस्तिका का भरपूर उपयोग होता है।

सीआरसी प्रेस उपयोक्ताओं के लिए बड़ी संख्या में हस्तपुस्तिकाएँ ला रही है। कुछ के उदाहरण हैं:–

हैण्डबुक ऑफ कैमिस्ट्री एण्ड फिजिक्स: हैंडबुक ऑफ लीपिड बाइलेयर्स।

(http://www.crcpress.com)

7.9 निर्देशपुस्तिका

मैनुअल शब्द की उत्पत्ति लेटिन भाषा के शब्द 'मैनुअल्स' से हुई है जिसका अर्थ है मार्गदर्शिका पुस्तक। नियमपुस्तिका मूलरूप से एक-एक करके निर्देश प्रदान करती है कि

किसी कार्य को कैसे किया जाय या किसी मशीन को कैसे चलाया जाए। जब आप किसी घरेलू उपकरण को खरीदते है जैसे टेलिविजन, एअरकंडीशनर (वातानुकूलन का यंत्र), ओवन या मोबाइल फोन, आपको उसके साथ ही निर्देशपुस्तिका उपलब्ध होती है, जो आपको उचित निर्देश देती है कि उस उपकरण का उपयोग कैसे करे। उदाहरण के लिए कुकबुक एक निर्देशपुस्तिका है।

7.10 निर्देशिका

एक निर्देशिका लोगों व संगठनों के नामों व पतों की सूची है। निर्देशिकाएं भी ग्रंथालय में सूचना का बहुत महत्त्वपूर्ण स्रोत हैं जिनसे उपभोक्ताओं द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रकार के प्रश्नों का उत्तर प्रदान किया जाता है। निर्देशिकाओं को प्राय: दो वर्गों में विभाजित किया जा सकता है:–

- सामान्य निर्देशिकाएं, और
- विशिष्ट निर्देशिकाएं

7.10.1 सामान्य निर्देशिकाएं

टेलीफोन निर्देशिका सामान्य निर्देशिकाओं के वर्ग के अंतर्गत आती है। टेलीफोन निर्देशिका के साथ आप जरूर परिचित होंगे। किसी देश में प्रत्येक शहर की टेलीफोन निर्देशिका होती है जो उपभोक्ताओं के टेलीफोन नंबरों व ग्राहकों के पते के बारे में सूचना प्रदान करती है। ये निर्देशिकाएं सामान्य तौर पर डाक व तार विभाग द्वारा संकलित की जाती हैं।

7.10.2 विशिष्ट निर्देशिकाएं

संगठनों की निर्देशिकाओं को विशिष्ट निर्देशिकाएं कहा जाता है तथा उनको मुख्य तौर पर निम्नलिखित तीन प्रकार के समूहों में बांटा जा सकता है–

- शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थाओं की निर्देशिकाएं;
- व्यावसायिक निर्देशिकाएं; और
- व्यापारिक व औद्योगिक निर्देशिकाएं

शैक्षणिक संस्थाओं की निर्देशिकाएं : उच्च शिक्षा एवं ज्ञान सिखाने वाली संस्थाओं की सूची है जैसे विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय। प्रत्येक शैक्षणिक संस्था के अंतर्गत पाठ्यक्रमों के प्रकार एवं उपलब्ध सुविधाओं, योग्यता के मानदंडों, वरिष्ठ कर्मचारियों के नाम आदि की सूचना प्रदान की जाती है। ये निर्देशिकाएं अंतर्राष्ट्रीय या राष्ट्रीय स्तर की जानकारी देने वाली हो सकती हैं। उदाहरण के लिए, **द यूरोप वर्ल्ड ऑफ लर्निंग 2012,** 63वां संस्करण, अंतर्राष्ट्रीय निर्देशिका है। यह निर्देशिका मुद्रित व ऑनलाइन स्वरूपों में उपलब्ध है।

(http://www.routledge.com)

यूनिवर्सिटीज हैण्डबुक, 32वां संस्करण, 2012, दो खंडों में, एसोसिऐशन ऑफ इंडियन यूनिर्वसिटीज़ (एआईयू) द्वारा प्रकाशित, एक राष्ट्रीय निर्देशिका है जिसमें भारत के विश्वविद्यालय स्तर की 341 संस्थाओं की सूची है। (http://www.aiuweb.org)

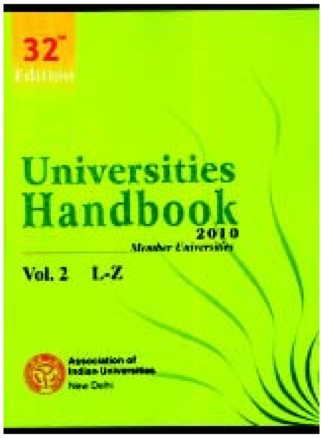

चित्र 7.19

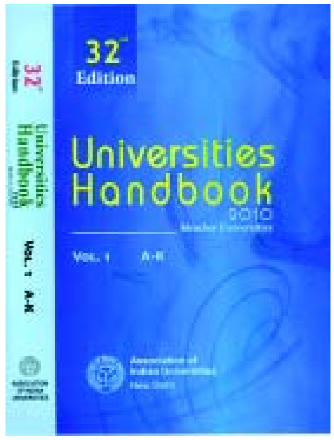

चित्र 7.20

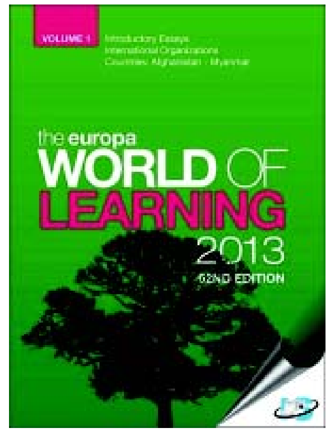

चित्र 7.21

यह निर्देशिका विश्वविद्यालय में उपलब्ध पाठ्यक्रम, उनकी अवधि, पात्रता मानदंड, प्रवेश की अन्तिम तिथि, ग्रंथालय एवं अनुसंधान की सुविधाएँ, छात्रवृति और फेलोशिप, प्रोफेसरों एवं वरिष्ठ स्टाफ के नामों के बारे में जानकारी प्रदान करती है। यह हर दूसरे वर्ष प्रकाशित की जाती हैं।

व्यवसायिक निर्देशिकाएं : विश्व में ज्ञान के प्रत्येक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र में हजारों विद्वत सोसाइटियों व संघ हैं। इन संघों के सदस्य अपने क्षेत्र में विशिष्ट विद्वान होते है। ये संघ भी निर्देशिकाओं को संकलित करते हैं जिसमें उनके सदस्यों के विवरण की सूची होती है। उदाहरण: द यूनिर्वसिटी ऑफ ऐडिलेड प्रोफेशनल डायरेक्टरी।

व्यापारिक व औद्योगिक निर्देशिकाएं : व्यापार व उद्योगों के बारे में सूचना प्रदान करती हैं। उदाहरण के लिए, **कोठारी इण्डस्ट्रीयल डायरेक्टरी ऑफ इंडिया,** 40वां संस्करण, 1996, कोठारी इन्टरप्राईज़ द्वारा प्रकाशित।

पाठगत प्रश्न 7.4

1. हस्तपुस्तिका तथा निर्देशपुस्तिका में अंतर बताइये।

2. निर्देशिकाओं के उद्देश्य बताइए। निर्देशिकाओं के प्रकारों की सूची बनाइये।

7.11 भौगोलिक सूचना स्रोत

भौगोलिक सूचना स्रोतों में मानचित्र, भूचित्रावली, ग्लोब, गज़ेटियर्स एवं मार्गदर्शिकाएं शामिल हैं। ये स्रोत स्थानों, लोगों, नदियों, पर्वतों, जंगलों, झीलों आदि के बारे में सूचना प्रदान करते हैं। उपयोक्ताओं की सूचना आवश्यकताओं को निपटाने के लिए ग्रंथालयों में भौगोलिक सूचना

स्रोतों का संदर्भ संग्रह है। यद्यपि अन्य संदर्भ स्रोतों जैसे शब्दकोश, विश्वकोश, वार्षिक पंचांग और सभी स्थानों, लोगों इत्यादि के बारे में भी यह सूचना प्रदान कराते हैं, परंतु वे केवल चयनित एवं महत्त्वपूर्ण स्थानों की जानकारी देते हैं। यह भौगोलिक सूचना स्रोतों के विशेष संग्रह उन्हीं प्रकरणों की ज्यादा विस्तार से जानकारी देते हैं तथा सूचना को शीघ्रता से ढूंढने के लिए विशेषतौर से निर्मित किये जाते है। इस संग्रह को निम्नलिखित तीन प्रकार के स्रोतों में बांटा जाता है :

- मानचित्र, भूचित्रावली एवं ग्लोब
- गजेटियर्स; तथा
- मार्गदर्शिका

7.11.1 मानचित्र, भूचित्रावली एवं ग्लोब

मानचित्र पृथ्वी की सतह या उसके किसी भाग का एक चित्रमय प्रस्तुतीकरण हैं। इनमें देश, नगर, नदी, झील, पर्वत आदि दर्शाये जाते हैं। मानचित्र तारों व ग्रहों की आकाशीय स्थिति को दर्शाने के चित्रण भी हो सकते हैं।

मानचित्रों के प्रकार : मानचित्र कई प्रकार के होते हैं। अधिकतर प्रचलित प्रकार हैं:

- सामान्य संदर्भ मानचित्र; और
- विषयोन्मुखी मानचित्र

सामान्य संदर्भ मानचित्र

सामान्य संदर्भ मानचित्र भौगोलिक लक्षणों की विविधता की पहचान और उस स्थान की पहचान बताते हैं, ऐसे मानचित्रों में धरातल के लक्षण, जल सीमाएँ, राजनीतिक सीमाओं, नगर एवं शहर तथा अनेक अन्य तत्त्व शामिल हो सकते हैं।

राजनीतिक मानचित्र : जो मानचित्र देशों, राज्यों, महाद्वीपों तथा अन्य राजनीतिक इकाईयों की सीमाओं को चित्रित करते हैं वे राजनीतिक मानचित्र कहलाते हैं।

भौतिक मानचित्र : ऐसे मानचित्र जो धरती के धरातल के भौतिक लक्षणों जैसे पर्वतों, नदियों तथा झीलों इत्यादि को दर्शाते हैं या उनकी अवस्थित दर्शाते हैं उन्हें भौतिक मानचित्र अथवा क्षेत्र का मानचित्र कहते हैं।

सड़कों के मानचित्र, गलियों के मानचित्र एवं चार्ट : कुछ मानचित्र लोगों को एक स्थान से दूसरे स्थान का रास्ता ढूंढने में सहायता करने के लिए निर्मित किए जाते हैं। यह मानचित्र धरती पर, पानी पर या हवा में यात्रा के लिए हैं। विभिन्न श्रेणियों की सड़कों को प्रदर्शित करते हैं, जैसे मोटरमार्ग, चार-लेन या छह लेन वाले मानचित्र सड़क मानचित्र कहलाते हैं। ये मानचित्र नगरों को जोड़ने वाली, चार सड़क या छः लेन वाली सड़कों को भी दर्शाते हैं। वे नगरों, शहरों, पार्कों तथा अन्य स्थानों, जो सड़कों द्वारा जुड़े होते हैं, उन्हें दिखाते हैं। गलियों

के मानचित्र सड़क मानचित्र के समान ही होते हैं, परंतु सड़क मानचित्र छोटे क्षेत्र को ज्यादा विस्तार से दिखाते हैं। जो मानचित्र समुद्री जहाजों के नौवहन या वायुयानों के मार्ग ढूंढने के लिए उपयोग में लाये जाते हैं, उन्हें चार्ट कहा जाता है।

सामान्य संदर्भ मानचित्रों का उपयोग लोग विशिष्ट स्थान ढूंढने व अन्य स्थलों की तुलना में उनका स्थान ढूंढने के लिए करते हैं।

विषयोन्मुखी मानचित्र

विषयोन्मुखी मानचित्र विशेष लक्षण के विभाजन को दिर्शाते हैं जैसे जनसंख्या, वर्षा, या प्राकृतिक संसाधन जैसे धरती पर कोयला, पेट्रोल, धातु एवं खनिज। कई विषयोन्मुखी मानचित्र चिन्हों या रंगों के द्वारा परिमाण को व्यक्त करते हैं।

भूचित्रावली (एटलस): जो पुस्तक मानचित्रों के समूह का संकलन होती है उसे भूचित्रावली एटलस कहते हैं। वृहदाकार भूचित्रावली में प्रत्येक देश के मानचित्र होते हैं।

ग्लोब : ग्लोब एक मानचित्र है जो गोलाकार स्वरूप पर चिपका हुआ या मुद्रित हो सकता है। केवल ग्लोब ही संपूर्ण पृथ्वी का सही चित्रण प्रदर्शित कर सकता है क्योंकि ग्लोब का धरातल पृथ्वी के धरातल की तरह गोलाकार है। ग्लोब पृथ्वी के सभी भागों के धरातल को सही रूप में प्रदर्शित करता है। पृथ्वी की भूविशेषतायें एवं समुद्र का अनुपात एवं स्थिति एक दूसरे के अनुपात में ग्लोब पर सही रूप में, जैसे वे पृथ्वी पर वास्तव में हैं उसी रूप में हैं, देखी जा सकती हैं।

राष्ट्रीय मानचित्र एवं भूचित्रावली

मानचित्र एवं भूचित्रावलियों की विश्वसनीयता संपादकीय कर्मचारियों व मानचित्रकारों के सुविज्ञ कौशल पर निर्भर करती है। ज्यादातर देशों के पास मानचित्र निर्माण से संबंधित अपनी पर्यवेक्षण एजेंसियां (सर्वे एजेंसीज) होती हैं। भारत में, हमारे पास सर्वे ऑफ इंडिया, देहरादून है। यह प्रमुख राष्ट्रीय मानचित्रांकन एजेन्सी नेशनल प्रिंसिपल मैप्पिंग एजेंसी है। यह संगठन भूभौतिकीय मानचित्र एवं वैमानिकीय (एरोनॉटिकल) और चार्टों के उत्पादन के लिए उत्तरदायी है।

नेशनल एटलस एंड थिमैटिक ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इंडिया (एन ए टी एम ओ) कोलकाता: भारत के राष्ट्रीय एटलस, विषयोन्मुखी मानचित्रों एवं अंकीय (डिजिटल) मानचित्रों के निर्माण में संलग्न है।

नेशनल एटलस ऑफ इंडिया : इसे हिंदी भाषा में लोकप्रिय **'भारत राष्ट्रीय एटलस'** के नाम से जाना जाता है। **एनएटीएमओ** द्वारा 1952 में सर्वप्रथम प्रकाशित हुआ जिसमें देश के भौतिक एवं सामाजिक संस्कृति के ढांचे का 26 बहुरंगीय मानचित्रों में चित्रण किया गया है। **''भारत राष्ट्रीय एटलस''** के संशोधित संस्करण का लक्ष्य 300 बहुरंगीय मानचित्र प्रकाशित करना है तथा यह 8 खंडों में प्रकाशित होगा। इसमें देश की जमीन, लोगों एवं अर्थव्यवस्था के सभी पक्षों को शामिल किया जायेगा। (http://www.natmo.gov.in)

अंतर्राष्ट्रीय मानचित्र एवं भूचित्रावली

दि टाइम्स काम्प्रिहेंसिव एटलस ऑफ द वर्ल्ड : 13वां संस्करण, 2011 में प्रकाशित, विश्व की सर्वाधिक सर्वसंपूर्ण व्यापक एटलस है जिसके साथ 200,000 से अधिक स्थानों के नामों की अनुक्रमणिका दी गयी है। यह एटलस भौगोलिक क्षेत्र के कई विशेषज्ञों के योगदान से शुरू हुआ है जिसमें विश्व के मुख्य भौगोलिक केन्द्रिक विषयों पर विस्तारपूर्वक सूचना प्रदान की गयी है जैसे जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण संबंधी खतरे, विश्वव्यापी संचार, जैव-विविधता तथा ऊर्जा संसाधनों सहित, इन्हें सहायक मानचित्रों, अद्यतन भौतिक संचार व्यवस्था एवं यहाँ के अन्योन्य व्यक्तियों पर पड़ने वाले प्रभाव को फोटोग्राफ व ग्राफिक के साथ चित्रित किया गया है।

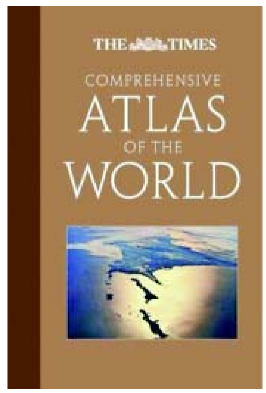

चित्र 7.22 विश्व की व्यापक भूचित्रावली का आवरण चित्र

प्रकाशक ने भूचित्रावली को व्यापक श्रृंखलाओं में प्रकाशित किया है कुछ शीर्षक निम्नलिखित हैं:

- दि टाइम्स कंसाइज़ एटलस ऑफ द वर्ल्ड;
- दि टाइम्स एटलस ऑफ द वर्ल्ड डेस्कटॉप एडीशन;
- दि टाइम्स एटलस ऑफ द वर्ल्ड मिनी एडीशन

(http://www.timesatlas.com)

7.11.2 गज़ेटियर्स

गजेटियर भौगोलिक नामों का शब्दकोश होता है। इसमें स्थानों, समुद्रों, पर्वतों तथा अन्य भौगोलिक स्थितियों के विशिष्ट क्षेत्र सहित, उनका इतिहास, आर्थिक विकास भूगोल तथा लोगों के नामों की सूची है। संदर्भ ग्रंथ के रूप में, गज़ेटियर्स में किसी देश राज्य या ज़िले के इतिहास, सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, औद्योगिक, जनसांख्यिक तथा प्रशासनिक विवरण उपलब्ध होते है।

समाविष्ट विषय-वस्तु के आधार पर गज़ेटियर को निम्न वर्गों में विभक्त किया जा सकता है:–

- अंतर्राष्ट्रीय गज़ेटियर;

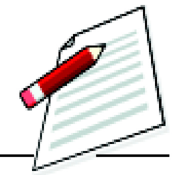

टिप्पणी

- राष्ट्रीय गज़ेटियर; तथा
- स्थानीय गज़ेटियर;

अंतर्राष्ट्रीय गजेटियर

मरियम वेब्स्टर्स जियोग्राफिकल डिक्शनरी, 3 संस्करण, एक अंतर्राष्ट्रीय गजेटियर है। जिसमें 54,000 प्रविष्टियों सहित 250 विस्तृत मानचित्र हैं। (चित्र 7.23)

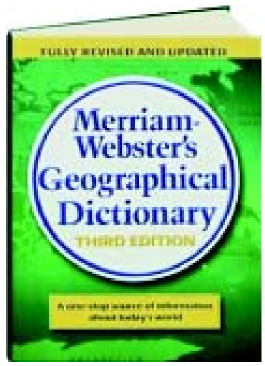

चित्र 7.23 भौगोलिक शब्दकोश

राष्ट्रीय गज़ेटियर

गज़ेटियर ऑफ इंडिया द इंडियन यूनियन, नई दिल्ली : प्रकाशन प्रभाग, 1965-78, 4 खंडों में प्रकाशित है।

खंड 1 : देश एवं लोग

खंड 2 : इतिहास एवं संस्कृति

खंड 3 : आर्थिक संरचना एवं गतिविधियाँ

खंड 4 : प्रशासन एवं सार्वजनिक घटनाक्रम

ज़िला गज़ेटियर

सिंह, रघुबीर तथा जीत राम, संपादक। **हरियाणा डिस्ट्रिक्ट गज़ेटियर, चंडीगढ़ :** हरियाणा गजेटियर आर्गनाइजेशन, 1986

7.11.3 मार्गदर्शिका पुस्तकें

मार्गदर्शिका पुस्तकें मुख्य तौर पर यात्रा मार्गदशिकाएं या पर्यटक मार्गदर्शिकाएं हैं जिनका उद्देश्य उन लोगों को सहायता पहुंचाना है अथवा अपने ही देश में विभिन्न स्थानों या दुनिया के किसी अन्य भाग की यात्रा करना चाहते हैं। मार्गदर्शिका का मुख्य उद्देश्य है पर्यटकों को जब वे किसी विशेष स्थान पर घूमने जायेंगे कैसे पहुंचे, कहां ठहरें, क्या देखें तथा क्या खरीदें के बारे में परामर्श देना। यात्रा मार्गदर्शिकाएं उस शहर या देशों में ऐतिहासिक साइटों, संग्रहालयों,

पार्कों तथा अन्य स्थानों के संबंध में सूचना प्रदान कराती हैं। अन्य पक्षों जैसे मार्गों एवं यात्रा सुविधाएं, घूमने के लिए अच्छा समय, होटल के प्रकार, आरामघर एवं खरीदारी की जगह आदि की जानकारी शामिल रहती है। मानचित्र, व्याख्यात्मक चित्र एवं दूरी की सूचना भी उपलब्ध होती है, जोकि मार्गदर्शिका की उपयोगिता को बढ़ाती है। इसके अतिरिक्त वीसा, धन विनिमय, मौसम आदि की सूचना रहती है जोकि विदेशी पर्यटकों के लिए लाभदायक होती है। आमतौर पर एक मार्गदर्शिका क्षेत्र, देश, नगर की जानकारी देती है।

अधिकतर देशों में सरकार के पर्यटन विभाग हैं जो देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मार्गदर्शिकाएं छपवाते हैं।

भारत में अधिकतर राज्यों 29 व 7 संघीय क्षेत्रों में प्रदेश पर्यटन विभाग हैं, जो सूचना प्रदान करा रहे हैं तथा पर्यटक मार्गदर्शिकाएं निकाल रहे हैं। पर्यटन मंत्रालय, भारत एवं अधिकतर राज्य पर्यटन विभागों ने पर्यटकों की सुविधा के लिए अपनी वेबसाइट भी विकसित की हैं। ये साइट पाठकों को अद्यतन सूचना उपलब्ध करवाती हैं। इन साइटों के कुछ निम्नलिखित उदाहरण हैं :

(http://www.incredibleindia.org/
http://www.delhitourism nic.in

अनेक मुद्रित मार्गदर्शिकाएं भी उपलब्ध हैं। फोडोर्स गाइड बुक्स उनमें से एक लोकप्रिय प्रकाशन है। जिसमें विश्व के अधिकतम देशों तथा कुछ विख्यात शहरों के लिए मार्गदर्शिकाएं प्रसिद्ध है।

http://www.fodors.com

7.12 जीवनचरित सूचना स्रोत

परिभाषा की दृष्टि से एक जीवनी किसी व्यक्ति के जीवन का वृत्तान्त है, जिसे सामान्यतः किसी दूसरे व्यक्ति द्वारा, प्रकाशित करने के उद्देश्य से लिखा जाता है। जीवनचरित स्रोत ऐसे प्रकाशन हैं जिनमें प्रख्यात लोगों के जीवनचरित के विवरण की सूची है। ये ऐसे स्रोत हैं जिनमें विश्व नेताओं, अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों में उच्च पद पर आसीन लोगों, खेल, संगीत, नृत्य, अभिनय, कला व अन्य व्यवसायिक क्षेत्रों की तरह विज्ञान व प्रौद्योगिकी, चिकित्सा आदि में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले लोगों की जीवनियां प्रस्तुत है। जीवनचरित स्रोत एक व्यक्ति की जीवनी या इसमें लोगों के समूहों की जीवनियां (सामूहिक जीवनियां कहा जाता है।), शामिल हो सकती हैं। किसी पुस्तक में सामूहिक जीवनियां होती हैं तो इसे **'जीवनचरित कोश'** भी कहा जाता है। उदाहरण के लिए, **द डिक्शनरी ऑफ इंटरनेशनल बायोग्राफी।**

ऐसे स्रोतों में सूचना के प्रकार की विविधता प्रत्येक प्रविष्टि के लिए तथ्यों पर आधारित संक्षिप्त तथ्यात्मक विवरण के प्रकार से लेकर जीवनी के निबंधात्मक लेख के प्रकार, तक शामिल हैं। कुछ जीवनचरित स्रोत प्रख्यात लोगों के समाज में व्यवसाय या उसकी स्थिति प्रस्तुत करते हैं। ऐसे स्रोतों को **''सामान्य जीवनचरित स्रोत''** कहते हैं। कुछ अन्यों में लोगों की जानकारी एकल विषय क्षेत्र या कुछ अन्य विशेष मानदंडों तक सीमित होती है। ऐसे

जीवनचरित स्रोतों को **विषयगत विशिष्ट जीवनचरित स्रोत** कहा जाता है। पुन: दोहराते हैं कि जीवनचरित्र स्रोत, लोगों की जानकारी पर आधारित स्रोत अंतर्राष्ट्रीय अथवा राष्ट्रीय हो सकता है। कुछ जीवनचरित स्रोत केवल जीवित लोगों की जानकारी प्रदान करते हैं उदाहरण के लिए, **'हूज हू'**, कुछ केवल जो लोग जीवित नहीं है उनकी जानकारी देते हैं। उदाहरण के लिए, **'हू वॉज हू'** तथा कुछ स्रोत जीवित व मृतक दोनों के विवरण देते हैं। उदाहरण के लिए, **वेब्स्टर्स बायोग्राफिक्ल डिक्शनरी।**

जीवनचरित स्रोतों के कुछ उदाहरण हैं–

जीवनचरितों संबंधी सामान्य स्रोत-अन्तर्राष्ट्रीय

हूज हू इन द वर्ल्ड 2013, 30वाँ संस्करण, को **मैक्विज़ हूज हू** के नाम से जाना जाता है यह एक अमेरिकन प्रकाशन है जो विश्व के प्रमुख प्रभावशाली लोगों की जीवनियाँ प्रस्तुत करता है। प्रत्येक प्रविष्टि में व्यक्तिगत आँकड़े व कैरियर इतिहास, शिक्षा, उपलब्धियों व किसी सोसाइटी की सदस्यता की जानकारी मिलती है। प्रकाशन ऑनलाइन भी उपलब्ध है।

(http://www.margnishhos@ho.com)

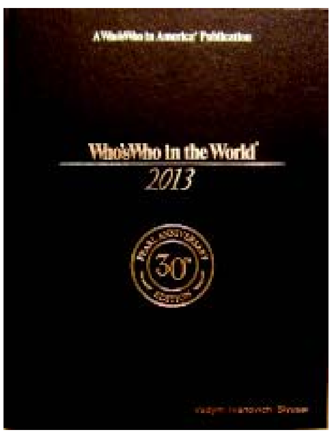

चित्र 7.24

चित्र 7.25

हूज हू के आवरण चित्र

सामान्य जीवनचरित्र स्रोत–राष्ट्रीय

इंडिया हूज हू, 31वाँ संस्करण 2010–2011, इनफा (INFA) प्रकाशन द्वारा प्रकाशित है, इसमें समाज के सभी वर्गों से आने वाले 5000 प्रमुख भारतियों की जीवनियाँ हैं जो राजनीतिक प्रशासनिक सेवा, शिक्षा, कला, मनोरंजन व खेल से संबंधित हो सकते हैं। प्रविष्टियाँ व्यवसायो के क्रमानुसार व्यवस्थित हैं।

पाठगत प्रश्न 7.5

1. भौतिक, राजनैतिक व विषयोन्मुखी मानचित्रों में अंतर बताइये।

2. उपयुक्त शब्द के साथ निम्न रिक्त स्थान भरें–

   (क) जो मानचित्र जलपोत या वायुयान पथनिर्देशन के लिए उपयोगी हैं उसे .... कहते हैं।

   (ख) खोखले गोलाकार पर चिपका या मुद्रित मानचित्र............................कहलाता है।

   (ग) मानचित्रों के संग्रह की पुस्तक को.............................कहते हैं।

   (घ) ....भौगोलिक नामों का शब्दकोश है।

   (ङ) मार्ग निर्देशिकाएँ मूलत: .... के लिए सृजित की गई हैं।

   (च) संग्रहित जीवनियों के शब्दकोश को .... कहते हैं।

आपने क्या सीखा

- संदर्भ स्रोत संक्षिप्त तथ्यों सांख्यिकीय सूचना, पृष्ठभूमि सूचना के उत्तर प्रदान करते हैं या आपको अतिरिक्त सूचना स्रोत का निर्देश देते हैं। संदर्भ स्रोत मानक कृतियाँ है जिनका उपयोग आप विशेष प्रकार की सूचना को ढूंढने में कर सकते हैं।
- संदर्भ स्रोतों में शब्दकोश, विश्वकोश, वार्षिकी, पंचांग, हस्तपुस्तिका, नियम पुस्तिका, निर्देर्शिकाएँ, भौगोलिक एवं जीवनचरित सूचना स्रोत सम्मिलित हैं।
- शब्दकोश शब्दों को परिभाषित करते हैं तथा विश्वकोश शब्दों के बारे में पृष्ठ भूमि की सूचना प्रदान करते हैं।
- सामान्य वृहद् शब्दकोश भाषा के सभी शब्दों की जानकारी देते हैं। संक्षिप्त, महाविद्यालय, डेस्क एवं पॉकेट शब्दकोश, वर्तमान समय के अनुसार भाषा में प्रयोग हो रहे शब्दों की जानकारी देता है। बाल शब्दकोश प्राय: उनके पाठ्यक्रम संबंधित शब्दों तक ही सीमित है।
- विषयगत शब्दकोश किसी विशेष विषय क्षेत्र में शब्दों की परिभाषा प्रदान कराते हैं।
- विशिष्ट शब्दकोश में भाषा संबंधी या साहित्यिक शब्दों के पक्षों या शब्दों के साथ विशेष प्रकारों का वर्णन करते है।
- द्विभाषीय व बहुभाषीय शब्दकोश अनुवाद करने के शब्दकोश हैं।
- विश्वकोश दो प्रकार के हैं–सामान्य विश्वकोश एवं विषयगत विश्वकोश, विश्वकोश एकखंडीय या बहुखंडीय हो सकते हैं। विश्वकोश वयस्कों, महाविद्यालय छात्रों, विद्यार्थी या बच्चों के लिए हो सकते हैं।
- वार्षिकी व पंचांग देश या दुनिया के सभी देशों में घटी वर्षगत घटनाओं की सांख्यिकीय जानकारी देते हैं। वार्षिकी व पंचांग दोनों सांख्यिकीय आँकड़ों के लिए शासकीय स्रोतों

पर आधाारित है। पंचांग व वार्षिकी में मूल अंतर है–पंचांग खगोलीय आंकड़ों को प्रदर्शित करते हैं तथा वार्षिकी में ऐसे आंकड़े नहीं होते हैं।

- हस्तपुस्तिका विषय पर प्रयोगात्मक सूचना प्रदान करती हैं व इसे इंजीनीयर व चिकित्सक अपने दैनिक कार्यों में प्रयोग करते हैं।
- एक निर्देश पुस्तिका/नियम पुस्तिका निर्देशों की पुस्तक है जिसमें किसी विशेष कार्य या किसी विशेष मशीन को चलाने के लिए विभिन्न चरणों में निर्देश प्रस्तुत होते हैं।
- एक निर्देशिका लोगों व संगठनों के नामों व पतों की सूची वाली पुस्तक है।
- भौगोलिक सूचना स्रोत में मानचित्र, भूचित्रावली व ग्लोब, गजेटियर्स व मार्ग दर्शिका पुस्तकें सम्मिलित हैं।
- सामान्य संदर्भ मानचित्र पृथ्वी की सतह के भौगोलिक लक्षणों जैसे पर्वतों, झीलों, जंगलों, नदियों आदि को पहचानने व ढूंढने में सहायता करते हैं। विषयोन्मुखी मानचित्र विशेषतौर पर पृथ्वी की सतह पर लक्षणों के वितरण को दर्शाते हैं जैसे जनसंख्या, वर्षा या प्राकृतिक संसाधन जैसे कोयला, खनिज, पैट्रोल, धातु आदि।
- गज़ेटियर स्थान, समुद्र, पर्वत, नदी व अन्य भौगोलिक तत्वों, उनको विशेष क्षेत्र सहित उनके इतिहास, अर्थव्यवस्था विकास, भूगोल व लोगों के नामों की सूची है।
- मार्गदर्शिकाएँ पर्यटकों के लिए निर्मित हैं जो किसी विशेष स्थान के लिए सुविधाजनक व उपयोगी सूचना प्रदान कराती हैं जैसे कहाँ जाएँ, कैसे पहुँचे, कहाँ रुके व क्या देखें आदि।
- जीवनचरित सूचना स्रोत प्रकाशन हैं, जिनमें प्रमुख लोगों के जीवन वृत्तांत का चित्रण होता है।

पाठांत प्रश्न

1. शब्दकोश व थिसारस में अंतर बताते हुए विभिन्न प्रकार के शब्दकोशों की विवेचना कीजिए।
2. भौगोलिक सूचना स्रोतों का संक्षिप्त विवरण दीजिए।
3. विश्वकोशों के विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिए।

पाठगत प्रश्नों के उत्तर

7.1

1. संदर्भ स्रोत संक्षिप्त तथ्यों, सांख्यिकीय सूचना, पृष्ठभूमि सूचना के उत्तर प्रदान कराता है

या अन्य सूचना स्रोत के लिए निर्देश देते हैं। संदर्भ स्रोत मानक कृति है जो सूचना के विशिष्ट प्रकार को खोजने के लिए उपयोगी है।

2. सामान्य भाषागत शब्दकोश में भाषा के सभी शब्द होते हैं एवं इनमें अर्थ, परिभाषा एवं स्पष्टीकरण, परिभाषा एवं उसी भाषा में शब्दों की व्याख्या होती है। सामान्य भाषागत शब्दकोश को आकार तथा लक्षित उपयोक्ता समूह के आधार पर पुनः विभक्त कर सकते हैं। आकार के अनुसार, सामान्य भाषागत शब्दकोश बृहद्/विस्तृत, संक्षिप्त/महाविद्यालय/डेस्क, या पॉकेट शब्दकोश हो सकते हैं। उपयोक्ता लक्षित समूह के अनुसार सामान्य शब्दकोश स्कूल छात्र, विद्यार्थी तथा वयस्कों के लिए हो सकते हैं।

3. विशिष्ट शब्दकोश शब्दों के विशेष प्रकार अथवा विशेष पहलुओं के साथ संबंधित हैं। शब्दों के विशेष प्रकार के वर्ग में अप्रचलित शब्द, संक्षेपित शब्द, संक्षेपित रूप से बने नये शब्द आदि शामिल हैं। शब्द के विशेष पहलु में उच्चारण, पर्यायवाची, विलोम, उद्धरण, मुहावरे, लोकोक्तियाँ आदि शामिल हैं। यद्यपि सामान्य भाषागत शब्दकोशों में शब्दों के ज्यादातर ये पहलु शामिल हैं परंतु विशेष शब्दकोश में इन पहलुओं को अधिक विस्तारपूर्वक शामिल किया जाता है। विशिष्ट शब्दकोश सामान्य भाषागत शब्दकोशों के पूरक होते है।

7.2

1. एक सामान्य विश्वकोश एक पुस्तक के रूप में अनेक पुस्तकों का समुच्चय है जिसमें ज्ञान की सभी शाखाओं पर सूचना उपलब्ध होती है जो वर्णानुक्रमिक रूप में व्यवस्थित होती है। सामान्य विश्वकोश सामान्य ज्ञान को बढ़ाने, विभिन्न प्रकरणों पर सूचना प्रदान करते हैं तथा आलेखों के अंत में ग्रंथसूची उपलब्ध होती है जोकि प्रकरण पर ज्यादा सूचना ढूँढने में सहायता करती है।

2. सामान्य विश्वकोश को आकार के अनुसार वर्गीकृत कर सकते हैं जैसे बहुखंडीय या एकखंडीय या लक्षित उपयोक्ता समूह (सैट) जैसे वयस्कों, विद्यार्थियों और बच्चों के लिए विश्वकोश।

3. सामान्य विश्वकोश में ज्ञान के प्रत्येक क्षेत्र में विषय प्रकरणों पर सूचनाएं शामिल हैं, जबकि विषयगत विश्वकोश ज्ञान के विशिष्ट क्षेत्र पर विस्तारपूर्वक तथा तकनीकी सूचना प्रदान करते हैं जैसे कि कला, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी या सामाजिक विज्ञान।

7.3

1. वार्षिकी, प्रतिवर्ष प्रकाशित तथा अद्यतन की जाती है, देश में या विश्व में विगत वर्ष की घटनाओं एवं उन्नति का अभिलेख है। उनमें शामिल विषय क्षेत्र सीमा व सूचना के प्रकार के आधार पर वार्षिकी को वर्गीकृत कर सकते हैं–अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय तथा विषयगत वार्षिकी।

2. वार्षिकी तथा पंचांग एक देश में या विश्व के सभी देशों में विगत वर्ष की घटनाओं तथा उन्नति को दर्शाते हैं। वार्षिकी तथा पंचांग दोनों सांख्यिकीय आँकड़ों के लिए सरकारी

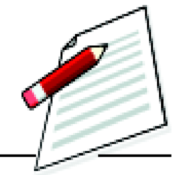

टिप्पणी

स्रोतों पर आधारित होते हैं। मूल अंतर यह है कि पंचाग ,खगोलीय आँकड़ों को भी प्रदर्शित करते हैं जबकि वार्षिकी में यह आंकड़े नहीं दिये जाते।

7.4

1. हस्तपुस्तिका एक विषय पर संक्षिप्त तथ्यों पर आधारित प्रयोगात्मक सूचना प्रदान कराती है जैसे कि सूत्र, परिभाषा, चित्र, सारणी आदि। हस्तपुस्तिकाएं इंजीनियरों व व्यावसायिकों द्वारा अपने दिन प्रतिदिन के कार्यो में वास्तविक सूचना प्राप्ति के लिए प्रयुक्त की जाती हैं। दूसरी तरफ, निर्देशपुस्तिका अनुदेशों की पुस्तक (मैनुअल) है जिसमें इस संबंध में क्रमिक अनुदेश होते हैं कि किसी विशिष्ट कार्य को किस प्रकार किया जाए अथवा किसी विशिष्ट मशीन को किस प्रकार संचालित करें। दोनों ही तात्कालिक संदर्भ स्रोत हैं जिसमें ''जानने योग्य तथ्य'' तथा ''कार्य करने के लिए अनुदेश'' इत्यादि के किस्म की सामग्री होती है।
2. निर्देशिका लोगों तथा संगठनों के नामों व पतों की सूची है। सामान्य निर्देशिकाएँ तथा विशेष निर्देशिकाएँ होती हैं। दूरभाष निर्देशिका एक सामान्य निर्देशिका है। जिसमें नामों, पतों तथा एक शहर, नगर में रहने वाले लोगों के दूरभाष नंबरों की सूची होती है। ये निर्देशिकाएँ लोगों से संपर्क करने में सहायता करती हैं। इन निर्देशिकाओं में शैक्षणिक तथा अनुसंधान संस्थाओं की निर्देशकाएँ, व्यवसायिक निर्देशिकाएँ तथा व्यापारिक व औद्योगिक निर्देशिकाएँ शामिल हैं। शैक्षणिक तथा अनुसंधान संस्थाओं की निर्देशिकाएँ विभिन्न अनुशासनों में विशेषज्ञों द्वारा चलाये जा रहे पाठ्यक्रमों के प्रकारों की पहचान में सहायता प्रदान कराती हैं। व्यवसायिक निर्देशिकाएँ विशेषज्ञों को पहचानने में सहायता करती हैं। व्यापारिक व औद्योगिक निर्देशिकाएँ व्यापार व उद्योगों के प्रकार, उनके उत्पाद तथा सेवाओं को ढूँढने में सहायता करती हैं।

7.5

1. प्राकृतिक मानचित्र धरती की सतह, स्थिति व भौतिक लक्षणों को दर्शाते हैं जैसे कि पर्वत, नदियाँ तथा झील। राजनीतिक मानचित्र महाद्वीपों, देशों व राज्यों की सीमाओं को दर्शाते हैं। विषयोन्मुखी मानचित्र धरती पर विशेषतौर पर जनसंख्या, वर्षा, प्राकृतिक संसाधन आदि वितरण की विशेषताओं को दर्शाते हैं।
2. (क) चार्ट (ख) ग्लोब (ग) भूचित्रावली (घ) गज़ेटियर (ङ) पर्यटक निर्देशिका (च) जीवनचरित शब्दकोश

पारिभाषित शब्दावली

विलोम शब्द (Antonym) : वह शब्द जिसका अर्थ अन्य शब्द के अर्थ का विपरीत है।

डाटाबेस (Database) : संबंधित अभिलेखों का एक संग्रह या कंप्यूटर पर संग्रहित सूचना व उसके किसी भाग को आसानी से देखने के लिए व्यवस्थित करना।

व्युत्पत्ति (Etymology) : शब्द का इतिहास या व्युत्पत्ति के अध्ययन की चर्चा करना।

पर्यायवाची शब्द निकट अर्थ वाला (Synonyms) : वह शब्द जिसका समान अर्थ हो या समान भाषा में अन्य शब्द के समान शब्द।

प्रस्तावित क्रियाकलाप

1. एक ग्रंथालय में जाएँ तथा कुछ शब्दकोश चुनें। उसका शीर्षक, प्रकाशक का नाम, प्रकाशन की तिथि लिखिए। इस संबंध में पुस्तक के प्रारंभ में प्रकाशक द्वारा दिये गए निर्देशों जैसे शब्दकोश का उपयोग कैसे करें कि शब्दकोश में शब्दों को कैसे व्यवस्थित किया गया है उसे देखिए। (कम्यूनिकेशन), (संचार) शब्द का अर्थ ढूँढें।
2. ग्रंथालय में किसी एक विश्वकोश को चुनें। उसका शीर्षक लिखें। यदि यह बहुखंडीय विश्वकोश है तो उसके कितने खंड हैं, इसे लिखें। विश्वकोश में शब्दों को कैसे व्यवस्थित किया गया है, लिखें। **'कम्युनिकेशन'** संचार शब्द को देखें। विश्वकोश में इस शब्द की विवेचना शब्दकोश में दिये गये विवरण से कैसे भिन्न है, लिखें।
3. एक सार्वजनिक ग्रंथालय में जाइए। यह देखिये कि संदर्भ ग्रंथ कहाँ रखे हैं। शब्दकोश, विश्वकोश, वार्षिकी, पंचांग, हस्तपुस्तिका, नियम पुस्तक व जीवनचरित स्त्रोतों में से प्रत्येक का एक शीर्षक चुनें। प्रत्येक स्रोत का शीर्षक, प्रकाशक का नाम, प्रकाशन की तिथि लिखें।